श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

Ministry of Cooperation | सहकारिता मंत्रालय
Government of India | भारत सरकार

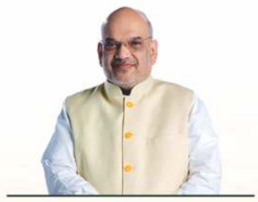

श्री अमित शाह
माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

हरियाणा सहकारी प्रकाश
Haryana Sahkari Parkash

Publication Date 01.07.2026
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

वर्ष : 57 / अंक 07 / 1 जुलाई, 2026 / वार्षिक मूल्य : रु 500 / प्रति कापी : रु 50

सहकार से समृद्धि के 5 स्वर्णिम वर्ष

HAFED DAIRYFED SUGARFED HARCO BANK HSCARDB HARCOFED LABOURFED HOUSEFED

जय हरियाणा

सहकार से समृद्धि
समृद्धि से आत्मनिर्भरता

जय सहकार

सहकार से समृद्धि के 5 साल

5 सालः

सहकार से समृद्धि के, विकास के, जनकल्याण के

पिछले 5 वर्षों में भारत ने सहकारिता के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है- सहकारिता मंत्रालय के नेतृत्व में सहकारी समितियों, मछली पालन और व्यापक सहकारी क्षेत्र में शक्तिकरण के आयाम स्थापित हुए हैं।

5 साल-बेमिसाल
प्रमुख उपलब्धियाँ

- सहकारी समितियों का विस्तार
- आर्थिक सशक्तिकरण
- मत्स्य पालन में क्रांति
- अंतरराष्ट्रीय पहचान
- डिजिटल और पारदर्शी सहकारिता
- नए संस्थान, नई दिशा

श्री अमित शाह
केन्द्रीय गृह मंत्री एवं
भारत के प्रथम सहकारिता मंत्री

"सहकारिता सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है,
यह एक भावना है, एक संकल्प है।
सहकार से समृद्धि का हमारा मंत्र देश के
ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और खुशहाली
का नया मार्ग प्रशस्त कर रहा है।"

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

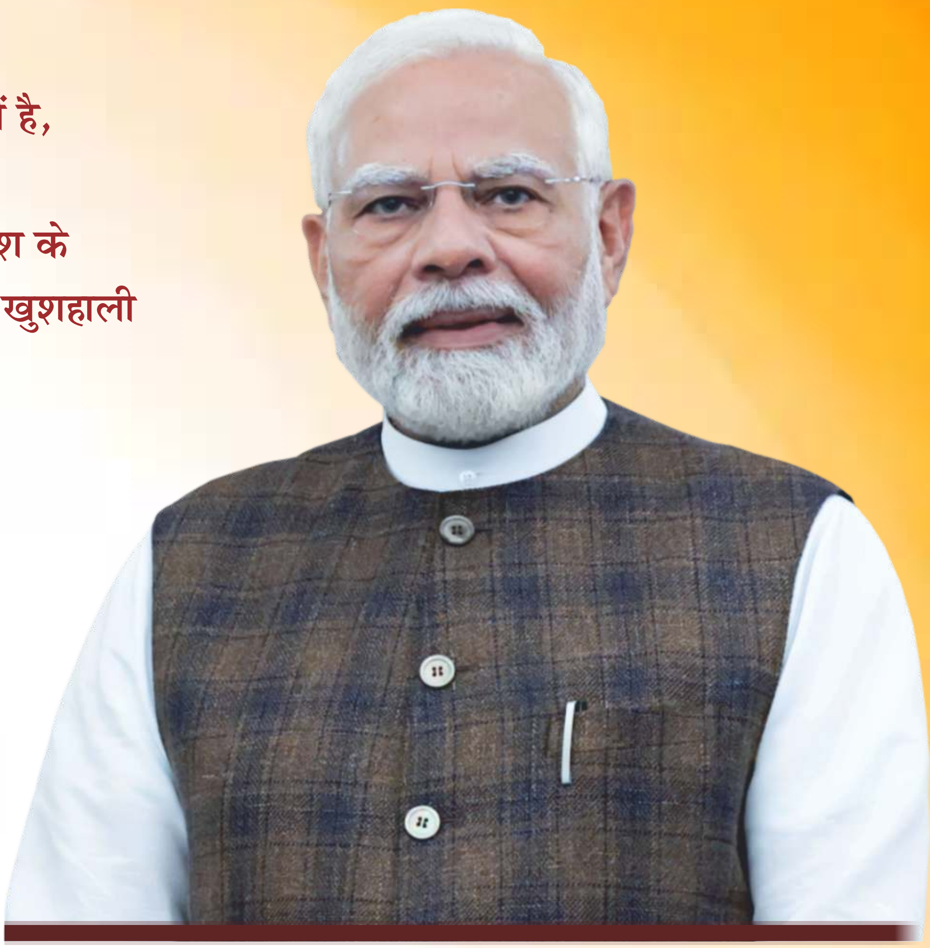

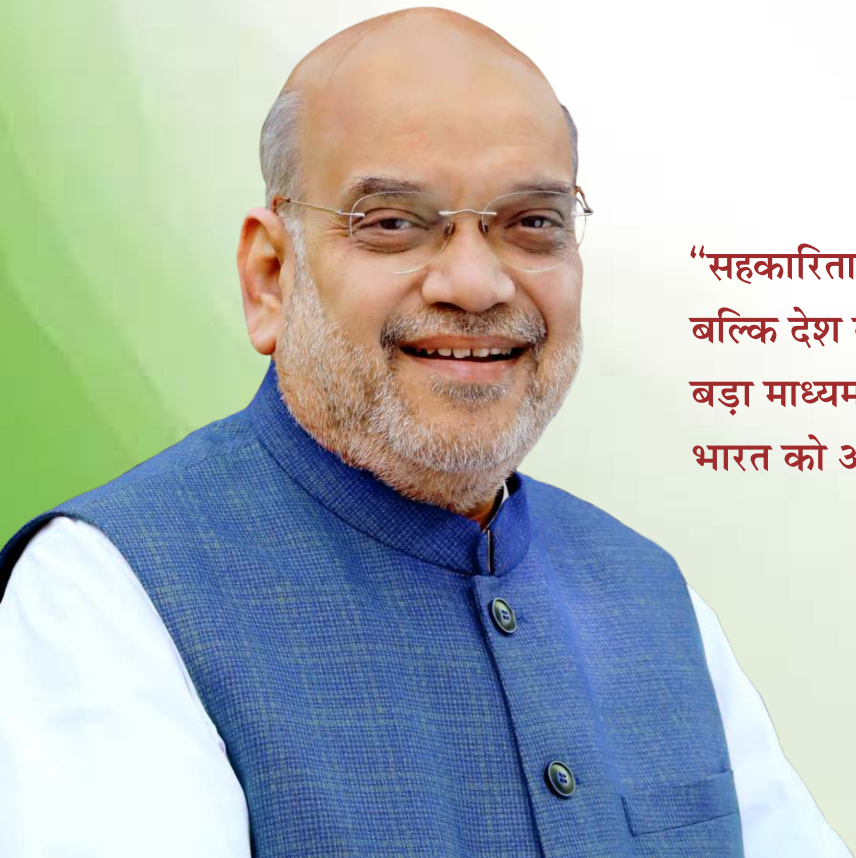

"सहकारिता सिर्फ एक व्यवसाय नहीं है,
बल्कि देश के गरीबों के आर्थिक उत्थान का सबसे
बड़ा माध्यम है। 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र ही ग्रामीण
भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाएगा।"

श्री अमित शाह
माननीय केन्द्रीय गृह एवं
सहकारिता मंत्री

सहकारिता विभाग हरियाणा के नए प्रधान सचिव बने श्री पंकज यादव, भा.प्र.से

हरियाणा सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2001 बैच के वरिष्ठ अधिकारी श्री पंकज यादव को सहकारिता विभाग, हरियाणा का प्रधान सचिव नियुक्त किया है। इन्होंने 27 मई, 2026 को अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। वर्तमान में आप हरियाणा सरकार के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रधान सचिव, हरियाणा भवन, नई दिल्ली के प्रधान आवासीय आयुक्त तथा हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण के अध्यक्ष का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल रहे हैं। आप एक अनुभवी, कुशल एवं दूरदर्शी प्रशासक हैं, जिन्होंने अपनी प्रभावी कार्यशैली, पारदर्शी प्रशासन, उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता तथा जनकल्याण के प्रति समर्पित दृष्टिकोण के माध्यम से प्रशासनिक सेवा में विशिष्ट पहचान बनाई है।

अपने प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान आप हरियाणा के छह मंडलों में से चार–रोहतक, करनाल, अंबाला एवं हिसार के मंडलायुक्त के रूप में सफलतापूर्वक सेवाएं दे चुके हैं। इसके अतिरिक्त आप भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में संयुक्त सचिव तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भी महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। हरियाणा सरकार के विभिन्न प्रमुख विभागों में भी आपने उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की हैं जिनमें निदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा, महानिदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण, शहरी एस्टेट, राज्य परिवहन, आयुक्त एवं सचिव, पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा मुख्य प्रशासक, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण जैसे महत्वपूर्ण पद शामिल हैं।

आपकी प्रशासनिक दक्षता, समयबद्ध कार्यशैली, निर्णय क्षमता तथा सुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए यह आशातीत है कि आपके नेतृत्व में सहकारिता विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन ओर अधिक सुदृढ़ होगा। साथ ही, राज्य की सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने, सहकारिता आंदोलन को नई गति प्रदान करने तथा विभाग को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में आपका नेतृत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
पंकज यादव, भा.प्र.से.
प्रधान सचिव
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
डॉ. सुभिता ढाका, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव अत्री

सुविचार

सही व्यक्ति, सही सोच और सही उपकरण मतलब सही नतीजे।

–सी.वी.रमन

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय 6-7

हरियाणा राज्य सहकारी अपेक्स बैंक लिमिटेड के नए अध्यक्ष बने श्री भारत भूषण जुयाल 8-9

हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के नए अध्यक्ष बने श्री सुभाष कलसाना 10-11

हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंघ लिमिटेड के नए अध्यक्ष बने श्री देवेन्द्र पांचाल 12-13

हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लिमिटेड के नए अध्यक्ष बने श्री सुभाष बंसल 14-15

रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा डॉ. सुभिता ढाका की गरिमामयी उपस्थिति में रोहतक PACS में PM & KISAN योजना के लाइव वेबकास्ट कार्यक्रम का सफल आयोजन 16-17

धुराला पैक्स 18-19

सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहलों की प्रगति 20-24

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम 25-26

महिला सदस्य जागरूकता कार्यकम 27

नेतृत्व विकास कार्यकम 28-29

पौधारोपण कार्यक्रम 30

विज्ञापन 31

सम्पादकीय

सहकारिता मंत्रालय के पाँच वर्ष
'सहकार से समृद्धि' की नई विकास गाथा

भारत में सहकारिता आंदोलन का इतिहास एक सदी से भी अधिक पुराना है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, किसानों, श्रमिकों और छोटे उद्यमियों को संगठित कर आत्मनिर्भर बनाने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्ष 2021 में भारत सरकार द्वारा एक पृथक सहकारिता मंत्रालय की स्थापना इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुई। आज, जब सहकारिता मंत्रालय अपनी स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण कर रहा है, तब यह अवसर न केवल उपलब्धियों के मूल्यांकन का है, बल्कि सहकारिता के माध्यम से विकसित हो रहे नए भारत की तस्वीर को देखने का भी है।

पिछले पाँच वर्षों में सहकारिता मंत्रालय ने 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र को व्यवहार में उतारते हुए देशभर में सहकारी संस्थाओं को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान की है। मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी समितियों के डिजिटलीकरण, पारदर्शिता, सुशासन, सदस्यता विस्तार तथा वित्तीय सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया गया। बहु–राज्यीय सहकारी समितियों के लिए नई व्यवस्थाएँ लागू की गईं तथा सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के प्रयास तेज हुए।

हरियाणा ने भी इस परिवर्तनकारी यात्रा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। राज्य की प्राथमिक कृषि सहकारी समितियाँ, दुग्ध सहकारी संस्थाएँ, विपणन समितियाँ तथा शहरी सहकारी संस्थाएँ ग्रामीण एवं कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रही हैं। डिजिटल सेवाओं के विस्तार, वित्तीय अनुशासन, सदस्य हितों की सुरक्षा तथा किसानों तक सुविधाओं की पहुँच बढ़ाने के लिए अनेक सुधारात्मक पहलें की गई हैं। परिणामस्वरूप सहकारी संस्थाओं के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है और नई पीढ़ी भी सहकारिता से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रही है।

हरियाणा में सहकारिता विभाग एवं सहकारी संस्थाओं द्वारा किसानों को उर्वरक, बीज, ऋण, विपणन तथा अन्य आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराने में निरंतर प्रभावी भूमिका निभाई जा रही है। ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और कृषि आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने में सहकारिता मॉडल की उपयोगिता लगातार सिद्ध हुई है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि सहकारिता आज हरियाणा के सामाजिक–आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुकी है।

सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद भारत के विकास की तस्वीर में भी व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। जहाँ पहले सहकारी क्षेत्र को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पाती थी, वहीं अब यह राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा का अभिन्न अंग बन चुका है। किसानों, ग्रामीण समुदायों, महिलाओं और युवाओं को आर्थिक अवसरों से जोड़ने में सहकारिता एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरी है। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी सहकारिता की भूमिका निरंतर बढ़ रही है।

आज आवश्यकता है कि सहकारिता के इस जन–आंदोलन को और व्यापक बनाया जाए। पारदर्शिता, नवाचार, तकनीक और जनभागीदारी के माध्यम से सहकारी संस्थाओं को और अधिक सक्षम बनाया जा सकता है। सहकारिता मंत्रालय के पाँच वर्ष इस बात का प्रमाण हैं कि जब नीति, नियत और जनसहभागिता का समन्वय होता है, तब विकास के नए आयाम स्थापित होते हैं।

सहकारिता मंत्रालय की पाँच वर्षीय यात्रा केवल संस्थागत उपलब्धियों की कहानी नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन की गाथा है। हरियाणा सहित पूरा देश आज इस परिवर्तन का साक्षी है। विश्वास किया जा सकता है कि आने वाले वर्षों में सहकारिता आंदोलन और अधिक सशक्त होकर भारत को समृद्ध, आत्मनिर्भर और समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ाएगा।

HARCOBANK

हरियाणा राज्य सहकारी अपेक्स बैंक लिमिटेड के नए अध्यक्ष बने श्री भारत भूषण जुयाल

हरियाणा के यमुनानगर जिले के निवासी श्री भारत भूषण जुयाल को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा राज्य सहकारी अपेक्स बैंक लिमिटेड का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इन्होंने 8 जून 2026 को अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया।

श्री भारत भूषण जुयाल का सार्वजनिक जीवन अनुशासन, राष्ट्रसेवा और संगठन के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। वर्ष 1980 से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के रूप में सक्रिय रहे हैं। श्री जुयाल क्रीड़ा भारती के प्रांत स्तर पर फुटबॉल खेल प्रमुख के रूप में भी कार्य कर चुके हैं, जहाँ इन्होंने युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के संस्कार विकसित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

वर्ष 1994 में श्री जुयाल भारतीय जनता पार्टी से जुड़े और तभी से संगठन के विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते आ रहे हैं। इनकी कार्यशैली, संगठन क्षमता और समर्पण को देखते हुए पार्टी ने समय–समय पर इन्हें अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपीं। वर्ष 2014 से 2016 तक ये भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य रहे। इसके पश्चात 2016 से 2023 तक लगातार सात वर्षों तक इन्होंने हरियाणा प्रदेश भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता के रूप में अपनी प्रभावशाली भूमिका निभाई।

वर्तमान में, वर्ष 2024 से ये भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा द्वारा जिला करनाल के प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन तथा पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुँचाने में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

श्री भारत भूषण जुयाल ने केवल हरियाणा तक ही अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं किया, बल्कि पार्टी ने इन्हें विभिन्न राज्यों के चुनावों में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपीं। वर्ष 2023 में ये हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में चुनाव प्रभारी रहे। इसके अतिरिक्त उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर जिले की नौ विधानसभा सीटों के चुनाव प्रभारी के रूप में इन्होंने संगठन को सशक्त नेतृत्व प्रदान किया। वहीं राजस्थान में किशनगंज विधानसभा में भी इन्होंने चुनाव प्रभारी के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। इन चुनावों में इन्होंने संगठनात्मक समन्वय, रणनीतिक योजना और कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद के माध्यम से पार्टी की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्तमान समय में श्री जुयाल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के हरियाणा प्रदेश सह–संयोजक के रूप में भी कार्यरत हैं। साथ ही ये भारतीय जनता पार्टी के प्रशिक्षण विभाग, हरियाणा प्रदेश के सह–संयोजक के रूप में संगठनात्मक प्रशिक्षण, वैचारिक जागरूकता और कार्यकर्ता निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

अपने अनुभव, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता के बल पर श्री भारत भूषण जुयाल हरको बैंक को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने तथा सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

8 जून 2026 को हरकोबैंक के नवनियुक्त चेयरमैन श्री भारत भूषण जुयाल जी के पदभार ग्रहण समारोह में अवसर पर बधाई देते सहकारिता मंत्री हरियाणा डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा, कृषि मंत्री, हरियाणा श्री श्याम सिंह राणा, पूर्व मंत्री श्री कंवर पाल गुर्जर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया एवं हरकोबैंक के प्रबंध निदेशक डॉ. प्रफुल्ल रंजन।

HSCARDB

हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के नए अध्यक्ष बने श्री सुभाष कलसाना

हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के शाहाबाद क्षेत्र स्थित ग्राम कलसाना के निवासी श्री सुभाष कलसाना को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (HSCARDB) का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इन्होंने 9 जून 2026 को अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। इनका जीवन समाजसेवा, छात्र नेतृत्व, शिक्षा और संगठनात्मक कार्यों के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है।

श्री सुभाष कलसाना ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा एस.बी.एम. गीता विद्यालय, कुरुक्षेत्र से प्राप्त की। इसके पश्चात इन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से जैव रसायन (Biochemistry) विषय में बी.एस.सी., एम.एस.सी. एवं बी.एड. की उपाधियाँ प्राप्त कीं।

वर्ष 1999 में ये अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) से जुड़े और वर्ष 2024 तक लगभग 25 वर्षों तक संगठन में विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इस दौरान ये तीन बार राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रहे। इसके अतिरिक्त इन्होंने विभाग प्रमुख तथा हरियाणा प्रदेश उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली। ये कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष (President) तथा संयोजक (Convenor) भी रहे। वर्ष 2014 में इनका चयन हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग में पीजीटी (जीवविज्ञान) व्याख्याता के पद पर हुआ। इन्होंने वर्ष 2014 से 2024 तक दस वर्षों तक शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएँ दीं। इस दौरान इन्होंने लाडवा विधानसभा क्षेत्र के अधोया गाँव में लगभग पाँच वर्ष, रामशरण माजरा में दो वर्ष तथा पानीपत जिले के समालखा विधानसभा क्षेत्र में लगभग तीन वर्ष अध्यापन कार्य किया। वर्ष 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव की घोषणा से एक दिन पूर्व इन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी ने उनकी संगठनात्मक क्षमता और जनसंपर्क को देखते हुए इन्हें कुरुक्षेत्र जिले की शाहाबाद विधानसभा सीट से अपना प्रत्याशी घोषित किया। यद्यपि ये चुनाव में विजय प्राप्त नहीं कर सके, लेकिन इन्होंने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में 54,608 मत प्राप्त कर शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र में उस समय तक भाजपा के लिए सर्वाधिक मत प्राप्त करने का नया रिकॉर्ड स्थापित किया। इन्हें वर्ष 2026 में भारतीय जनता पार्टी द्वारा असम विधानसभा चुनाव के दौरान पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले का प्रभारी भी नियुक्त किया गया। इस जिले के अंतर्गत आने वाली छह विधानसभा सीटों पर पार्टी को विजय दिलाने में इन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके पश्चात हरियाणा में आयोजित नगर निकाय चुनावों के दौरान इन्हें अंबाला जिले का क्लस्टर प्रभारी नियुक्त किया गया।

यह आशा है कि आपका कुशल अनुभव, दूरदर्शी सोच एवं कर्मठ नेतृत्व बैंक किसानों, ग्रामीण उद्यमियों तथा सहकारिता से जुड़े प्रत्येक वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करेगा।

9 जून 2026 को हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के नवनियुक्त चेयरमैन श्री सुभाष कलसाना जी के पदभार ग्रहण समारोह के अवसर पर बधाई देते सहकारिता मंत्री हरियाणा डॉ अरविन्द कुमार शर्मा, पंचायत एवं विकास मंत्री, हरियाणा श्री कृष्ण लाल पंवार, पूर्व राज्य मंत्री श्री सुभाष सुधा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया एवं बैंक के प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल।

LABOURFED

हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंघ लिमिटेड के नए अध्यक्ष बने श्री देवेन्द्र पांचाल

हरियाणा के कैथल जिले के ग्राम भाना में जन्मे एवं वर्तमान में पुंडरी निवासी श्री देवेंद्र पांचाल को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंघ लिमिटेड का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इन्होंने 15 जून 2026 को अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया।

इन्होंने अपने जीवन की शुरुआत बढ़ई (कारपेंटर) के रूप में की और अपने परिश्रम के बल पर स्वयं को स्थापित किया। इन्होंने केवल अपना रोजगार ही नहीं बनाया, बल्कि लगभग 30 युवाओं को बढ़ईगिरी का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान किया। इनके इस प्रयास ने अनेक परिवारों की आजीविका को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन्होंने वर्ष 1995 में भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की। पिछले तीन दशकों में इन्होंने संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को जोड़ने और समाज के विभिन्न वर्गों के हितों के लिए निरंतर कार्य किया जिसके कारण इन्हें समय–समय पर अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

वर्ष 2009 से 2015 तक इन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सामाजिक न्याय मोर्चा, जिला कैथल के महामंत्री के रूप में कार्य किया। वर्ष 2015 में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सामाजिक न्याय मोर्चा का पुनर्गठन कर उसका नाम ओबीसी मोर्चा रखा गया। इसके बाद श्री देवेंद्र पांचाल को हरियाणा भाजपा ओबीसी मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इन्होंने वर्ष 2015 से 2020 तक इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। संगठन के प्रति इनकी सक्रियता और कुशल नेतृत्व को देखते हुए वर्ष 2020 में इन्हें हरियाणा भाजपा ओबीसी मोर्चा का प्रदेश महामंत्री बनाया गया। वर्ष 2020 से 2023 तक इन्होंने इस पद पर उल्लेखनीय कार्य किया और वर्ष 2023 में संगठन ने पुनः उन पर विश्वास व्यक्त करते हुए इन्हें इसी दायित्व की जिम्मेदारी सौंपी, जिसका निर्वहन वे वर्तमान में भी कर रहे हैं। इस दौरान इन्होंने समाज के वंचित, पिछड़े और श्रमिक वर्गों के उत्थान से जुड़े अनेक विषयों को प्रमुखता से उठाया तथा संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 2009 में इन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी जुड़कर राष्ट्र निर्माण और सामाजिक जागरण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई। वर्तमान में श्री देवेंद्र पांचाल अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

इनके सार्वजनिक जीवन की एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि हरियाणा में पांचाल समाज से राज्य स्तर के चेयरमैन पद तक पहुँचने वाले वे पहले व्यक्ति बने। इनका मानना है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब युवाओं को रोजगार और कौशल से जोड़ा जाए।

आशा है कि आपके नेतृत्व में संस्था श्रमिकों के हितों की रक्षा, रोजगार के नए अवसरों के सृजन तथा सहकारिता के मूल्यों को सुदृढ़ करते हुए प्रदेश में श्रम आधारित सहकारिता को नई पहचान और नई गति प्रदान करेगी।

15 जून 2026 को हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंघ लि0 के नवनियुक्त चेयरमैन श्री देवेन्द्र पांचाल जी के पदभार ग्रहण समारोह के अवसर पर बधाई देते लोक निर्माण विभाग मंत्री हरियाणा श्री रणबीर गंगवा, लेबरफैड के प्रबंध निदेशक श्री विरेन्द्र कुमार दहिया एवं उपमण्डल अधिकारी (सिविल), श्री अमन धीमान ।

HOUSEFED

हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लिमिटेड के नए अध्यक्ष बने श्री सुभाष बंसल

हरियाणा के सोहना (गुरुग्राम) के निवासी श्री सुभाष बंसल को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लिमिटेड का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इन्होंने 5 जून 2026 को अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। श्री बंसल वर्षों से सामाजिक और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं तथा अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और समाज के प्रति समर्पित सोच के कारण क्षेत्र में एक सम्मानित पहचान रखते हैं।

श्री सुभाष बंसल ने वर्ष 2016 से 2018 तक अग्रवाल सभा, सोहना के अध्यक्ष के रूप में सफलतापूर्वक कार्य किया। अपने कार्यकाल के दौरान इन्होंने सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती तथा समाजहित से जुड़े अनेक कार्यों को प्राथमिकता दी। अध्यक्ष पद के पश्चात भी इनकी सक्रियता बनी रही और इन्हें अग्रवाल सभा, सोहना का संरक्षक बनने का दायित्व सौंपा गया।

राजनीतिक एवं संगठनात्मक क्षेत्र में भी श्री बंसल ने भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता के रूप में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। ये जिला गुरुग्राम भाजपा की मुख्य कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त इन्होंने भाजपा के प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ में मुख्य सलाहकार के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभाई और व्यापारिक वर्ग तथा संगठन के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने का कार्य किया।

श्री बंसल का सार्वजनिक जीवन केवल संगठन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इन्होंने समाज सेवा को सदैव अपनी प्राथमिकता बनाया। सामाजिक कार्यक्रमों, धार्मिक आयोजनों तथा जनहित के कार्यों में इनकी निरंतर सहभागिता इन्हें आमजन के बीच लोकप्रिय बनाती है। ये सदैव संवाद, सहयोग और सेवा की भावना के साथ समाज के विभिन्न वर्गों के बीच कार्य करते रहे हैं।

इनके अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और जनसेवा के प्रति समर्पण से यह अपेक्षा की जा रही है कि ये संस्था को नई ऊर्जा, पारदर्शिता और विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

5 जून 2026 को हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लि0 के नवनियुक्त चेयरमैन श्री सुभाष बंसल जी के पदभार ग्रहण समारोह के अवसर पर बधाई देते पूर्व राज्य मंत्री हरियाणा श्री संजय सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व चेयरमैन श्री अमर पाल राणा व हाउसफैड के प्रबंध निदेशक श्री योगेश शर्मा।

रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा डॉ. सुभिता ढाका की गरिमामयी उपस्थिति में रोहतक PACS में PM & KISAN योजना के लाइव वेबकास्ट कार्यक्रम का सफल आयोजन

दी रोहतक प्राथमिक कृषि सहकारी समिति लिमिटेड (PACS), रोहतक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM & KISAN) योजना के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम का लाइव वेबकास्ट उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में देखा गया। कार्यक्रम में किसानों, सहकारी समिति के सदस्यों तथा सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संबोधन सुना।

इस अवसर पर हरियाणा सहकारिता विभाग की माननीय रजिस्ट्रार डॉ. सुभिता ढाका, भा.प्र.से मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने दूरदर्शी नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता तथा सहकारिता क्षेत्र के प्रति समर्पित कार्यशैली के लिए पहचानी जाने वाली डॉ. सुभिता ढाका ने किसानों के बीच बैठकर प्रधानमंत्री जी का संबोधन सुना तथा उनसे आत्मीय संवाद भी किया। उनकी सादगीपूर्ण उपस्थिति और किसानों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण ने उपस्थित किसानों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

अपने संबोधन में डॉ. सुभिता ढ़ाका ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास और किसान सशक्तिकरण का एक मजबूत माध्यम है। उन्होंने किसानों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने तथा सहकारी संस्थाओं से अधिकाधिक जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों की आर्थिक मजबूती का एक महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है और यह योजना देश के अन्नदाताओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है।

डॉ. ढाका ने यह भी कहा कि हरियाणा में सहकारिता विभाग किसानों को आधुनिक कृषि, वित्तीय समावेशन तथा सामुदायिक विकास से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उनके नेतृत्व में सहकारिता विभाग

किसानों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में ए.आर.सी.एस श्री नरेंद्र शर्मा, इंस्पेक्टर श्री अनिल, श्री अजयवीर, श्री मनजीत सिंह, समिति प्रबंधक श्री सोमवीर, समिति स्टाफ, समिति के सम्मानित सदस्य तथा क्षेत्र के अनेक प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री जी के किसान कल्याण संबंधी विचारों और सरकार की कृषि उन्नयन नीतियों की सराहना की।

कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना, उन्हें सहकारिता आंदोलन से जोड़ना तथा ग्रामीण विकास को नई गति देना था। कार्यक्रम के दौरान किसानों में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा उन्होंने सरकार और सहकारिता विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों के प्रति विश्वास व्यक्त किया।

अंत में उपस्थित किसानों ने कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने तथा सहकारिता के माध्यम से समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

प्रथम अंतर–विभागीय सहकारिता क्रिकेट लीग में RCS Haryana का शानदार प्रदर्शन

प्रथम अंतर–विभागीय सहकारिता क्रिकेट लीग में RCS Haryana की टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए वीटा को 9 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वीटा की टीम 18 ओवर में 99 रन ही बना सकी। वीटा की और से परवेश कुमार ने 33 रन व संजय ने 25 रन बनाये ।है टीम के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोके रखा। RCS Haryana की ओर से सुमित कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट हासिल किए, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

100 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी RCS Haryana की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 9 ओवर में 1 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की ओर से नवीन कुमार (Fighter of the Match) ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए केवल 18 गेंदों में 37 रन बनाए और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इससे पहले भी RCS Haryana की टीम ने अपने पहले मुकाबले में तकनीकी शिक्षा विभाग को 60 रन से पराजित किया था। लगातार दो प्रभावशाली जीतों के साथ RCS Haryana की टीम ने टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है और खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में उभरकर सामने आई है।

धुराला पैक्स – सहकारिता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाते हुए हर सफल संस्था की एक प्रेरणादायक कहानी होती है। यह कहानी है धुराला प्राथमिक कृषि सहकारी समिति की, जिसने चुनौतियों का सामना करते हुए संघर्ष से सफलता तक का सफर तय किया।

हरियाणा के कुरूक्षेत्र जिले के धुराला गांव में स्थित धुराला प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पैक्स) की कहानी इसी सहकारिता की शक्ति को दर्शाती है। 25 अप्रैल 1958 को स्थापित यह समिति आज लगभग 3,500 सदस्यों और 12 गांवों की सेवा करते हुए ग्रामीण विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुकी है। लगभग सात दशकों की इस यात्रा में धुराला पैक्स ने अनेक उतार–चढ़ाव देखे हैं। लेकिन इसकी सबसे बड़ी पहचान चुनौतियों से लड़कर सफलता प्राप्त करने की रही है। वर्ष 2006 में सहकारी समितियों के विलय के दौरान बहादुरपुरा समिति का लगभग 2.50 करोड़ रुपये का घाटा धुराला पैक्स के हिस्से में आया। यह समिति के इतिहास का सबसे कठिन दौर था। बढ़ते हुए एन. पीए, वित्तीय दबाव और समिति संसाधनों के कारण समिति का भविष्य संकट में दिखाई देने लगा था। लेकिन धुराला पैक्स ने हार मानने के बजाय संघर्ष का रास्ता चुना। समिति के प्रबंधन, कर्मचारियों और सदस्यों ने मिलकर बकाया ऋणों की वसूली के लिए लगातार प्रयास किए। गांव–गांव जाकर किसानों से संपर्क किया गया, ऋण अदायगी के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई और वित्तीय अनुशासन को मजबूत किया गया। एनपीए को कम करने के लिए विशेष अभियान चलाए गए। इन प्रयासों का परिणाम धीरे–धीरे दिखाई देने लगा। वर्षों की मेहनत, पारदर्शी कार्यप्रणाली और सदस्यों के सहयोग से समिति की आर्थिक स्थिति में निरंतर सुधार हुआ। आखिरकार वर्ष 2014 में धुराला पैक्स घाटे से निकलकर लाभ में आ गई। यह केवल वित्तीय उपलब्धि नहीं थी, बल्कि यह सामूहिक प्रयास, दृढ़ इच्छाशक्ति और सहकारिता की भावना की जीत थी। आज समिति की औसत ऋण वसूली लगभग 90 प्रतिशत है, जो सदस्यों के विश्वास और समिति की मजबूत कार्यप्रणाली का प्रमाण है। समय के साथ धुराला पैक्स ने स्वयं को केवल ऋण देने वाली संस्था तक सीमित नहीं रखा, बल्कि किसानों की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार किया। आज समिति किसानों को केसीसी ऋण, आरसीसी ऋण, गैर–कृषि ऋण, स्वयं सहायता समूह ऋण, कम्पोजिट ऋण, गृह ऋण, स्टाफ ऋण, व्यक्तिगत ऋण तथा दुकानदारों के लिए कैश लिमिट जैसी विभिन्न वित्तीय सुविधाएं प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री किसान समद्धि केंद्र (PM-KSK) योजना के अंतर्गत धुराला पैक्स किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक और कीटनाशक उपलब्ध करवा रही है। पहले समिति की आय मुख्य रूप से ऋण व्यवसाय पर निर्भर थी, लेकिन अब कृषि आदानों की बिक्री ने समिति की आय के नए स्त्रोत विकसित किए हैं। इससे किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो रही है और खेती की लागत तथा समय दोनों की बचत हो रही है। कृषि के साथ–साथ पशुपालन को भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। इसी सोच के साथ समिति किसानों को पतंजलि कैटल फीड उपलब्ध करा रही है। गुणवत्तापूर्ण पशु आहार के कारण पशुपालकों को बेहतर उत्पादन और अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है, जिससे वे काफी संतुष्ट हैं। धुराला पैक्स महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है। स्वयं सहायता समूहों को ऋण प्रदान करके महिलाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। आज अनेक महिलाएं छोटे व्यवसायों और आय सृजन गतिविधियों के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही

हैं। सहकारिता मंत्रालय द्वारा पैक्स को बहुउद्देशीय संस्थाओं के रूप में विकसित करने की परिकल्पना ने धुराला पैक्स को भी नई दिशा दी है। इसी क्रम में समिति ने कोमन सर्विस सेंटर (CSC) की सेवाएं शुरू की हैं। अब किसानों और ग्रामीणों को विभिन्न डिजिटल एवं सरकारी सेवाएं गांव में ही उपलब्ध हो रही हैं। इससे ग्रामीणों को सुविधा मिली है और समिति के लिए भी आय का एक नए स्त्रोत विकसित हुआ है। आज धुराला पैक्स केवल एक सहकारी समिति नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, किसान कल्याण और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त केंद्र बन चुकी है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी धुराला पैक्स ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। समिति द्वारा स्वयं सहायता समूहों (Self Help Groups) को ऋण उपलब्ध कराकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इन समूहों से जुड़ी अनेक महिलाओं ने छोटे व्यवसाय, डेयरी, सिलाई–कढ़ाई तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया है। समिति समय–समय पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित एवं पुरस्कृत भी करती है। यह सम्मान न केवल उनकी उपलब्धियों को पहचान देता है, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करता है। आज ये महिलाएं ग्रामीण विकास और सामाजिक परिवर्तन की सशक्त वाहक बन चुकी हैं। सहकारिता मंत्रालय द्वारा

पैक्स को बहुउद्देशीय संस्थाओं के रूप में विकसित करने की परिकल्पना ने धुराला पैक्स को भी नई दिशा दी है। इसी क्रम में समिति ने कोमन सर्विस सेंटर (CSC) की सेवाएं शुरू की हैं। अब किसानों और ग्रामीणों को विभिन्न डिजिटल एवं सरकारी सेवाएं गांव में ही उपलब्ध हो रही हैं। इससे ग्रामीणों को सुविधा मिली है और समिति के लिए भी आय का एक नए स्त्रोत विकसित हुआ है। इसी के साथ धुराला पैक्स ने प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का संचालन भी प्रारंभ किया है। इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण जेनरिक दवाइयां बाजार मूल्य की तुलना में काफी कम कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। पहले गांव के लोगों को सस्ती दवाइयों के लिए दूर–दराज के शहरों में जाना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें अपने क्षेत्र में ही आवश्यक दवाइयां आसानी से मिल रही हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ी है, बल्कि ग्रामीण परिवारों के चिकित्सा खर्च में भी उल्लेखनीय कमी आई है। जन औषधि केंद्र के संचालन से समिति की आय में भी वद्धि हुई है तथा यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य और आर्थिक कल्याण दोनों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। Closing Statement माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतत्व तथा सहकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और पहलों ने धुराला पैक्स को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान की है। प्रधानमंत्री किसान समद्धि केंद्र, बहुउद्देशीय पैक्स कोमन सर्विस सेंटर, जन औषधि केंद्र तथा अन्य सहकारी सुधारों के माध्यम से समिति ने अपनी गतिविधियों का विस्तार किया है और आय के नए स्त्रोत विकसित किए हैं। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि जो समिति कभी आर्थिक चुनौतियों और घाटे का सामना कर रही थी, वह आज लाभ अर्जित करते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। धुराला पैक्स आज किसानों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण समुदाय के लिए विकास और विश्वास का केंद्र बन चुकी है।

सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहलों की प्रगति

सहकारिता मंत्रालय ने 6 जुलाई, 2021 को अपनी स्थापना के बाद से, सहकार–से–समृद्धि के विजन को साकार करने और देश में प्राथमिक से लेकर शीर्ष स्तर की सहकारी समितियों तक सहकारी आंदोलन को मजबूत और गहरा करने के लिए कई पहल की हैं। अब तक की गई पहलों और प्रगति की सूची इस प्रकार है

- **प्राथमिक सहकारी समितियों को आर्थिक रूप से जीवंत और पारदर्शी बनानाः** पैक्स के लिए आदर्श उप–नियम उन्हें बहुउद्देशीय, बहुआयामी और पारदर्शी संस्थाएं बनाएंगे– सरकार ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, राष्ट्रीय स्तर के संघों, राज्य सहकारी बैंकों (एसटीसीबी), जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (डीसीसीबी), आदि सहित सभी हितधारकों के परामर्श से पैक्स के लिए आदर्श उप–नियम तैयार किए हैं और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को भेजे हैं, जो पैक्स को 25 से अधिक व्यावसायिक गतिविधियां करने, अपने कार्यों में शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार करने में सक्षम बनाते हैं। महिलाओं और अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देते हुए पैक्स की सदस्यता को अधिक समावेशी और व्यापक बनाने के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। अब तक 32 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने आदर्श उप–नियमों को अपनाया है या उनके मौजूदा उप–नियम मॉडल उप–नियमों के अनुरूप हैं।

- **कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से पैक्स को मजबूत बनानाः** पैक्स को मजबूत बनाने के लिए, भारत सरकार द्वारा 2,516 करोड़ के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ कार्यात्मक पैक्स के कम्प्यूटरीकरण की परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिसमें देश में सभी कार्यात्मक पैक्स को एक सामान्य ईआरपी आधारित राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर पर लाना, उन्हें एस.टी.सी.बी. और डी.सी.सी.बी. के माध्यम से नाबार्ड से जोड़ना शामिल है। परियोजना के तहत 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 67,930 पैक्स को मंजूरी दी गई है। कुल 50,455

पैक्स को ई.आर.पी सॉफ्टवेयर पर शामिल किया गया है और 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा हार्डवेयर खरीदा गया है।

- **सभी पंचायतों को कवर करने के लिए नई बहुउद्देशीय पैक्स/डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापनाः** भारत सरकार ने अगले पाँच वर्षों में देश की सभी पंचायतों और गाँवों को कवर करने के उद्देश्य से नई बहुउद्देशीय पैक्स/डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना की योजना को मंजूरी दी है। इस पहल को नाबार्ड, एनडीडीबी, एनएफडीबी और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों का समर्थन प्राप्त है। पहल के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए, हितधारकों के लिए लक्ष्य और समयसीमा दर्शाते हुए 19.9.2024 को 'मार्गदर्शिका' शुरू की गई है। राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के अनुसार, 15.2.2023 को योजना के अनुमोदन के बाद से 27.1.2025 तक देश भर में कुल 12,957 नई पैक्स, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियाँ पंजीकृत की गई हैं।
- **सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण योजना :** सरकार ने एआईएफ, एएमआई, एसएमएएम, पीएमएफएमई आदि सहित भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से पीएसीएस स्तर पर अनाज भंडारण के लिए गोदाम, कस्टम हायरिंग सेंटर, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयां और अन्य कृषि–बुनियादी ढांचे के निर्माण की योजना को मंजूरी दी है। इससे खाद्यान्न की बर्बादी और परिवहन लागत में कमी आएगी, किसानों को अपनी उपज के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी और पीएसीएस स्तर पर ही विभिन्न कृषि आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकेगी। पायलट प्रोजेक्ट के तहत 11 राज्यों की 11 पीएसीएस में गोदामों का निर्माण पूरा हो चुका है।
- **ई–सेवाओं तक बेहतर पहुंच के लिए कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में पीएसीएसः** सहकारिता मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नाबार्ड और सीएससी ई–गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के बीच पीएसीएस के माध्यम से बैंकिंग, बीमा, आधार नामांकन/अपडेशन, स्वास्थ्य सेवाएं, पैन कार्ड और आईआरसीटीसी/बस/एयर टिकट आदि जैसी 300 से अधिक ई–सेवाएं प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। अब तक 42,080 पीएसीएस ने ग्रामीण नागरिकों को सीएससी सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है।
- **पैक्स द्वारा नए किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन :** सरकार ने एनसीडीसी के सहयोग से पैक्स द्वारा 1100 अतिरिक्त एफपीओ के गठन की अनुमति दी है, उन ब्लॉकों में जहां अभी तक एफपीओ का गठन नहीं किया गया है या वे ब्लॉक किसी अन्य कार्यान्वयन एजेंसी के दायरे में नहीं आते हैं। 1100 ब्लॉकों के इस आवंटन के मुकाबले 27.01.2025 तक 958 एफपीओ पंजीकृत/ऑन–बोर्ड किए जा चुके हैं। इसके अलावा, सहकारी क्षेत्र में एनसीडीसी द्वारा पहले ही 730 एफपीओ का गठन किया जा चुका है। आज की तिथि तक, सहकारी क्षेत्र में एनसीडीसी द्वारा कुल 1,688 एफपीओ पंजीकृत/ऑन–बोर्ड किए जा चुके हैं। यह किसानों को आवश्यक बाजार संपर्क प्रदान करने और उनकी उपज के लिए उचित और लाभकारी प्रक्रिया प्राप्त करने में सहायक होगा।
- **खुदरा पेट्रोल/डीजल दुकानों के लिए PACS को प्राथमिकता दी गई :** सरकार ने खुदरा पेट्रोल/डीजल दुकानों के आवंटन के लिए PACS को संयुक्त श्रेणी 2 (CC2) में शामिल करने की अनुमति दी है। तेल विपणन कंपनियों (OMC) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की 286 PACS ने खुदरा पेट्रोल/डीजल दुकानों के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है।
- **थोक उपभोक्ता पेट्रोल पंपों को खुदरा दुकानों में बदलने की अनुमति दी गई :** मौजूदा थोक उपभोक्ता लाइसेंसधारी पैक्स को तेल विपणन कंपनियों द्वारा खुदरा दुकानों में बदलने के लिए एक बार का विकल्प दिया गया है। तेल विपणन कंपनियों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, 5 राज्यों के 116 थोक उपभोक्ता पंप लाइसेंसधारी पैक्स ने खुदरा दुकानों में बदलने के लिए सहमति दे दी है, जिनमें से 56 पैक्स को तेल विपणन कंपनियों द्वारा चालू कर दिया गया है।
- **अपनी गतिविधियों में विविधता लाने के लिए एलपीजी वितरक के लिए पात्र पैक्स :** सरकार ने अब पैक्स को एलपीजी वितरक के लिए आवेदन करने की अनुमति दे दी है। इससे पैक्स को अपनी आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने और अपनी आय के स्रोत में विविधता लाने का विकल्प मिलेगा। अब तक झारखंड राज्य से 2 पैक्स ने सीसी श्रेणी के तहत एलपीजी वितरक के लिए आवेदन किया है।

ग्रामीण स्तर पर जेनेरिक दवाओं तक पहुंच में सुधार के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के रूप में PACS : PACS को प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (PMBJK) संचालित करने की अनुमति दी गई है, जो उन्हें अतिरिक्त आय का स्रोत प्रदान करेगा और ग्रामीण नागरिकों के लिए गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाओं तक पहुंच को आसान बनाएगा। अब तक, 4,523 PACS/सहकारी समितियों ने PMBJK के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है, जिनमें से 2,744 PACS को फार्मास्युटिकल एंड मेडिकल डिवाइसेस ब्यूरो ऑफ इंडिया (PMBI) द्वारा प्रारंभिक अनुमोदन दिया गया है और 785 PACS को राज्य औषधि नियंत्रकों से दवा लाइसेंस प्राप्त हुआ है और 716 PACS को PMBI से स्टोर कोड मिले हैं जो प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के रूप में कार्य करने के लिए तैयार हैं।

- **प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) के रूप में पैक्सः** देश में किसानों को उर्वरक और संबंधित सेवाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पैक्स को पीएमकेएसके संचालित करने में सक्षम बनाया गया है। उर्वरक विभाग (भारत सरकार) और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, कुल 36,193 पैक्स पीएमकेएसके के रूप में कार्य कर रहे हैं।
- **ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप जलापूर्ति योजनाओं (पीडब्लूएस) के संचालन एवं रख–रखाव का कार्य पीएसीएस द्वारा किया जाएगा :** पीएसीएस को ग्रामीण क्षेत्रों में पीडब्लूएस के संचालन एवं रख–रखाव (ओएंडएम) के लिए पात्र बनाया गया है। राज्यों/संघ शासित प्रदेशों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 13 राज्यों/संघ शासित प्रदेशों द्वारा पंचायत/ग्राम स्तर पर संचालन एवं रख–रखाव सेवाएं प्रदान करने के लिए 934 पीएसीएस की पहचान/चयन किया गया है।
- **पैक्स स्तर पर पीएम–कुसुम का अभिसरण :** पैक्स से जुड़े किसान सौर कृषि जल पंप अपना सकते हैं और अपने खेतों में फोटोवोल्टिक मॉड्यूल स्थापित कर सकते हैं।
- **बैंक मित्र सहकारी समितियों को घर–घर वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने के लिए माइक्रो–एटीएम :** डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों को डीसीसीबी और एसटीसीबी का बैंक मित्र बनाया जा सकता है। उनके व्यापार में आसानी, पारदर्शिता और वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए, नाबार्ड के सहयोग से इन बैंक मित्र सहकारी समितियों को 'घर–घर वित्तीय सेवाएँ' प्रदान करने के लिए माइक्रो–एटीएम भी दिए जा रहे हैं। पहल के प्रभावी कार्यान्वयन की सुविधा के लिए, 19 सितंबर 2024 को एक एसओपी शुरू किया गया है। अब तक, गुजरात में बैंक मित्र सहकारी समितियों को 8,322 माइक्रो–एटीएम वितरित किए गए हैं।
- **दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों को रुपे किसान क्रेडिट कार्डः** डीसीसीबी/एसटीसीबी की पहुंच बढ़ाने और डेयरी सहकारी समितियों के सदस्यों को आवश्यक नकदी उपलब्ध कराने के लिए सहकारी समितियों के सदस्यों को रुपे किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) वितरित किए जा रहे हैं, ताकि उन्हें तुलनात्मक रूप से कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराया जा सके और उन्हें अन्य वित्तीय लेनदेन करने में सक्षम बनाया जा सके। इस पहल के प्रभावी कार्यान्वयन की सुविधा के लिए 19 सितंबर 2024 को एक एसओपी शुरू की गई है। अब तक गुजरात राज्य में 7,43,810 रुपे केसीसी वितरित किए जा चुके हैं।
- **मत्स्यपालक उत्पादक संगठन (FFPO) का गठन :** मछुआरों को बाजार संपर्क और प्रसंस्करण सुविधाएं प्रदान करने के लिए, NCDC ने शुरुआती चरण में 70 FFPO पंजीकृत किए हैं। इसके अलावा, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने 1000 मौजूदा मत्स्यपालन सहकारी समितियों को FFPO में बदलने का काम राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को आवंटित किया है। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम ने 280.65 करोड़ रुपये के स्वीकृत परिव्यय के साथ FFPO के रूप में मजबूत करने के लिए 997 प्राथमिक मत्स्यपालन सहकारी समितियों की पहचान की है।
- **श्वेत क्रांति 2.0 :** सहकारिता मंत्रालय ने सहकारी नेतृत्व वाली "श्वेत क्रांति 2.0" की शुरुआत करने के लिए एक पहल शुरू की है जिसका उद्देश्य सहकारी कवरेज, रोजगार सृजन और महिला सशक्तिकरण का विस्तार करना है, जिसका उद्देश्य ध्कवर किए गए क्षेत्रों में डेयरी किसानों को बाजार पहुंच प्रदान करके और संगठित क्षेत्र में डेयरी सहकारी समितियों की हिस्सेदारी बढ़ाकर अगले पांच वर्षों में डेयरी सहकारी समितियों की दूध खरीद को वर्तमान स्तर से 50% तक बढ़ाना है। "श्वेत क्रांति 2.0 के लिए एसओपी 19.11.2024 को माननीय गृह और सहकारिता मंत्री द्वारा माननीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री की

उपस्थिति में लॉन्च किया गया था। 25.12.2024 को माननीय गृह और सहकारिता मंत्री ने माननीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री की उपस्थिति में 6,600 नव स्थापित डेयरी सहकारी समितियों का उद्घाटन किया।

- **आत्मनिर्भर अभियान :** सहकारिता मंत्रालय ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए दालों (अरहर, मसूर और उड़द) के उत्पादन को प्रोत्साहित करने और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) के माध्यम से इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम (ईबीपी) के लक्ष्य को पूरा करने के लिए इथेनॉल के उत्पादन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मक्का के उत्पादन की पहल शुरू की है। दोनों ने सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों के पंजीकरण के लिए क्रमशः ई–संयुक्ति और ई–समृद्धि यानी अपने स्वयं के वेब पोर्टल विकसित किए हैं। दोनों ने अरहर, उड़द, मसूर और मक्का के पूर्व पंजीकृत किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर उनकी उपज का 100% खरीदने का आश्वासन दिया है। हालांकि, यदि बाजार मूल्य एमएसपी से अधिक है, तो किसान अपनी उपज खुले बाजार में बेचने के लिए स्वतंत्र हैं। इसी प्रकार, नैफेड के ई–समृद्धि पोर्टल पर 6,75,178 किसानों ने अपना पंजीकरण कराया है।

शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंकों को मजबूत बनाना

शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) को अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए नई शाखाएं खोलने की अनुमति दे दी गई है: यूसीबी अब आरबीआई की पूर्व अनुमति के बिना पिछले वित्तीय वर्ष में मौजूदा शाखाओं की संख्या के 10% (अधिकतम 5 शाखाएं) तक नई शाखाएं खोल सकते हैं।

RBI ने शहरी सहकारी बैंकों को अपने ग्राहकों को घर बैठे बैंकिंग सेवाएँ देने की अनुमति दे दी है : शहरी सहकारी बैंकों द्वारा अब घर बैठे बैंकिंग की सुविधा दी जा सकेगी। इन बैंकों के खाताधारक अब घर बैठे ही विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं, जैसे कि नकद निकासी, नकद जमा, KYC डिमांड ड्राफ्ट और पेंशनभोगियों के लिए जीवन प्रमाण पत्र आदि।

सहकारी बैंकों को वाणिज्यिक बैंकों की तरह बकाया ऋणों का एकमुश्त निपटान करने की अनुमति दी गई है: सहकारी बैंक, बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियों के माध्यम से, अब तकनीकी बट्टे खाते में डालने के साथ–साथ उधारकर्ताओं के साथ निपटान की प्रक्रिया भी प्रदान कर सकते हैं।

यूसीबी को दिए गए प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समय सीमा बढ़ाई गई : आरबीआई ने यूसीबी के लिए प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समयसीमा दो साल यानी 31 मार्च, 2026 तक बढ़ा दी है।

शहरी सहकारी बैंकों के साथ नियमित संपर्क के लिए आरबीआई ने एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है : सहकारी क्षेत्र की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करने के लिए, आरबीआई ने एक नोडल अधिकारी को अधिसूचित किया है।

आरबीआई ने ग्रामीण और शहरी सहकारी बैंकों के लिए व्यक्तिगत आवास ऋण सीमा दोगुनी से अधिक कर दी :

शहरी सहकारी बैंकों की आवास ऋण सीमा अब 30 लाख रुपये से बढ़ाकर 60 लाख रुपये कर दी गई है।

ग्रामीण सहकारी बैंकों की आवास ऋण सीमा को ढाई गुना बढ़ाकर 75 लाख रुपये कर दिया गया है।

ग्रामीण सहकारी बैंक अब वाणिज्यिक अचल संपत्ति/आवासीय आवास क्षेत्र को ऋण देने में सक्षम होंगे, जिससे उनके व्यवसाय में विविधता आएगी ।

इससे न केवल ग्रामीण सहकारी बैंकों को अपने व्यवसाय में विविधता लाने में मदद मिलेगी, बल्कि आवास सहकारी समितियों को भी लाभ होगा।

सहकारी बैंकों के लिए लाइसेंस शुल्क घटाया गया : सहकारी बैंकों को 'आधार सक्षम भुगतान प्रणाली' (AePS) से जोड़ने के लिए लाइसेंस शुल्क को लेनदेन की संख्या से जोड़कर घटा दिया गया है। सहकारी वित्तीय संस्थाओं को भी प्री–प्रोडक्शन चरण के पहले तीन महीनों के लिए यह सुविधा निःशुल्क मिलेगी। इससे अब किसानों को बायोमेट्रिक्स के माध्यम से अपने घर पर बैंकिंग की सुविधा मिल सकेगी।

सहकारी बैंकों को अब दिए जाने वाले ऋणों पर 85 प्रतिशत तक जोखिम कवरेज का लाभ मिल सकेगा। साथ ही, सहकारी क्षेत्र के उद्यम भी अब सहकारी बैंकों से बिना किसी गारंटी के ऋण प्राप्त कर सकेंगे।

शहरी सहकारी बैंकों को शामिल करने के लिए अनुसूची मानदंडों की अधिसूचना: शहरी सहकारी बैंक जो 'वित्तीय रूप से सुदृढ़ और अच्छी तरह से प्रबंधित' (एफएसडब्लूएम) मानदंडों को पूरा करते हैं और पिछले

दो वर्षों से टियर 3 के रूप में वर्गीकरण के लिए आवश्यक न्यूनतम जमा बनाए रखते हैं, अब भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की अनुसूची II में शामिल होने और 'अनुसूचित' दर्जा प्राप्त करने के पात्र हैं।

आरबीआई ने स्वर्ण ऋण के लिए मौद्रिक सीमा दोगुनी कर दी: आरबीआई ने उन शहरी सहकारी बैंकों के लिए मौद्रिक सीमा 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये कर दी है जो पीएसएल लक्ष्य को पूरा करते हैं।

शहरी सहकारी बैंकों के लिए व्यापक संगठन : आरबीआई ने शहरी सहकारी बैंकों और ऋण समितियों के राष्ट्रीय महासंघ (एनएएफसीयूबी) को यूसीबी क्षेत्र के लिए एक व्यापक संगठन (यूओ) के गठन के लिए मंजूरी दे दी है, जो लगभग 1,500 यूसीबी को आवश्यक आईटी बुनियादी ढांचा और परिचालन सहायता प्रदान करेगा

सहकारी चीनी मिलों का पुनरुद्धार

चीनी सहकारी मिलों को आयकर से राहत : सरकार ने स्पष्टीकरण जारी किया है कि सहकारी चीनी मिलों को अप्रैल, 2016 से किसानों को उचित एवं लाभकारी या राज्य परामर्शित मूल्य तक उच्च गन्ना मूल्य का भुगतान करने पर अतिरिक्त आयकर नहीं देना होगा।

चीनी सहकारी मिलों के आयकर से संबंधित दशकों पुराने लंबित मुद्दों का समाधान : सरकार ने अपने केंद्रीय बजट 2023–24 में एक प्रावधान किया है, जिसमें चीनी सहकारी समितियों को आकलन वर्ष 2016–17 से पहले की अवधि के लिए गन्ना किसानों को उनके भुगतान को व्यय के रूप में दावा करने की अनुमति दी गई है, जिससे उन्हें 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की राहत मिलेगी।

चीनी सहकारी मिलों को मजबूत करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये की ऋण योजना शुरू की गई : सरकार ने इथेनॉल संयंत्र या सह उत्पादन संयंत्र स्थापित करने या कार्यशील पूंजी या तीनों उद्देश्यों के लिए एनसीडीसी के माध्यम से एक योजना शुरू की है। अब तक, मंत्रालय ने इस योजना के तहत एनसीडीसी को 875 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2022–23 में 500 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024–25 में 375 करोड़ रुपये) जारी किए हैं और अब तक, एनसीडीसी ने 44 सीएसएम को 9,169.76 करोड़ रुपये की राशि के 80 ऋण स्वीकृत किए हैं।

इथेनॉल की खरीद में सहकारी चीनी मिलों को प्राथमिकता: इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम (ईबीपी) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा इथेनॉल की खरीद के लिए सहकारी चीनी मिलों को अब निजी कंपनियों के बराबर रखा गया है।

तीन नई राष्ट्रीय स्तर की बहु–राज्य सोसायटी

प्रमाणित बीजों के लिए नई राष्ट्रीय बहु–राज्य सहकारी बीज सोसायटी: सरकार ने एमएससीएस अधिनियम, 2002 के तहत एक नई शीर्ष बहु–राज्य सहकारी बीज सोसायटी की स्थापना की है, जिसका नाम भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) है, जो एक ही ब्रांड के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज की खेती, उत्पादन और वितरण के लिए एक छत्र संगठन है। रबी 2024–25 सीजन के दौरान 5,596 हेक्टेयर में 12 फसलों की 57 किस्मों की बुवाई/रोपण किया गया। इसी तरह, खरीफ 2024 सीजन के दौरान 176.59 हेक्टेयर भूमि पर 8 फसलों की 23 किस्मों की रोपाई की गई है। अब तक 17,425 पैक्स/सहकारी समितियां बीबीएसएसएल की सदस्य बन चुकी हैं।

जैविक खेती के लिए नई राष्ट्रीय बहु–राज्य सहकारी जैविक सोसायटी : सरकार ने एमएससीएस अधिनियम, 2002 के तहत एक नई शीर्ष बहु–राज्य सहकारी जैविक सोसायटी की स्थापना की है, जिसका नाम है राष्ट्रीय सहकारी जैविक लिमिटेड (एनसीओएल), जो प्रमाणित और प्रामाणिक जैविक उत्पादों का उत्पादन, वितरण और विपणन करने के लिए एक छत्र संगठन है। अब तक 5,184 पीएसीएस/सहकारी समितियां एनसीओएल की सदस्य बन चुकी हैं। एनसीओएल ने 'भारत ऑर्गेनिक्स ब्रांड' के तहत 13 उत्पाद लॉन्च किए हैं, जैसे कि साबुत गेहूं का आटा, मूंग धुली, साबुत मूंग, मूंग छिलका दाल, मूग स्प्लिट, अरहर/तूर दाल, साबुत उड़द, साबुत उड़द दाल, मसूर मलका, ब्राउन चना, राजमा चित्रा, चना दाल।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई राष्ट्रीय बहु–राज्य सहकारी निर्यात सोसायटी : सरकार ने सहकारी क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एमएससीएस अधिनियम, 2002 के तहत राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) नामक एक नई शीर्ष बहु–राज्य सहकारी निर्यात सोसायटी की स्थापना की है। अब तक, 7,933 पीएसीएस/सहकारी समितियां एनसीईएल की सदस्य बन चुकी हैं। आज तक, एनसीईएल ने 5,099.24 करोड़ रुपये के निर्यात मूल्य के साथ 12,52,083 मीट्रिक टन वस्तुओं (चावल, चीनी, प्याज, गेहूं, मक्का और जीरा) की कुल निर्यात मात्रा हासिल की है।

हरकोफैड द्वारा जून माह में किए गए कार्यक्रम

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. 10 जून को पैक्स चांदी जिला रोहतक में एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें अनुदेशक श्रीमती अर्चना देवी हरकोफैड रोहतक ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए सदस्यों को सहकारिता के मूल्यों व सिद्धान्तों के बारे में विस्तार से बताया और हरकोफैड द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। बेरोजगार, सहकारी समिति रजिस्टर्ड करवाकर स्वयं का रोजगार कर आत्मनिर्भर बन सकते है। प्राईवेट ठेकेदारों से पहले सहकारी ठेकेदारों की प्राथमिकता दी जाती है। बेरोजगारी की लाइन में न खड़ा हो के अपना स्वयं का काम करें और औरों को भी काम दें। कार्यक्रम में मोटा अनाज ज्वार, बाजरा, चना, रागी, कागनी आदि खाने के फायदे बताए गए।

श्री बन्सीलाल ऑगैर्निक किसान गांव चिडी लाखनमाजरा ने बताया कि आओ हम पहल करें, जैविक उगाए व जैविक ही परोसें। खेती बाड़ी के बारे में आधुनिक तकनीक की उचित जानकारी देते हुए बताया कि किसान को समय रहते चेतन रहना पड़ेगा क्योंकि किसान के कन्धों पर ही आम जन की जिम्मेदारी है । एक किसान अन्न दाता है अगर वो ही दूषित और रसायन भरा अनाज पैदा करेगा तो विकराल रूप धारण कर चुकी बीमारियों के बीच जीवन खतरे में है। इस कार्यकम में यह बताया गया कि कैसे हम देसी खाद का उपयोग करके फसल तैयार कर सकते है ,मगर बेचने के सही तरीके से कैसे अच्छी कीमत प्राप्त कर सकते है। गांव वालों को समझाया कि देसी खाद से तैयार फसल, आज के समय में विकराल रूप लेती बीमारियों के बीच जैविक पैदावार ही हमें बचाए रख सकती है हमारा स्वास्थ्य इसी से बना रह सकता है वर्तमान में जैविक हर मानव, जीव जन्तु की जरूरत है।

डॉ० राजेन्द्र सिंह लाला लाजपतराय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के पशु विज्ञान केन्द्र रोहतक के प्रभारी द्वारा प्रतिभागियों को बताया गया कि हरा चारा छाया में सुखाकर कैसे स्टोर करे और फिर बिना मौसम के भी हम पशुओं को हरा चारा खिला सकते है। उन्होने पशुओं के नीचे साफ सफाई रखने, साफ पानी पिलाने, गरमी व सर्दी में उचित देखभाल करना आदि के बारे में जानकारी दी। बेबी पशुओं को जूण हो जाने के बाद कैसे लस्सी में नमक, और तेल देने से कैसे फायदा मिलता है। एक दवाई देने के बाद 15 दिन में दूसरी कम्पनी की दवाई अच्छा परिणाम देती है आदि की बहुत

ही फायदेमंद जानकारियां प्रदान की।। डा० महोदय ने प्रतिभागियों पशुपालकों को पशुपालन में नस्लों का चुनाव व नस्ल सुधार कार्यक्रम, नवजात पशु की देखभाल व खीस पिलाने का महत्व, पशुओं के लिए सन्तुलित आहार कैसे बनाने व खिलाने आरामदायक गृह व्यवस्था व बीमारियों से बचाव के लिए मौसम के अनुसार प्रबंध व टीकाकरण के बारे में विस्तार से जागरूक किया। इसके साथ साथ डॉ० महोदय ने पशुजीवन में साफ व स्वच्छ पानी का महत्व के साथ साथ खनिज मिश्रण खिलाने के बारे में विस्तार से फायदे बताए।

श्री सूरज सिंह सोशल वर्कर रोहतक ने अपने सम्बोधन में मेछिकल फर्स्टएड सामाजिक जिम्मेदारी और स्वास्थ्य और पोषण सम्बन्धित जानकारी सांझा की।

श्री कर्मबीर सिंह प्रबन्धक जैविक किसान ने अपने सम्बोधन में किसानों को सरकार द्वारा आई योजनाओं के बारे में अवगत कराया व किसानो की शंकाओं का निवारण किया कि जो किसान लोन समय पर भरता है और जो नहीं भरता उनको सरकार द्वारा ब्याज माफी मिल जाती है। उन्होंने बताया कि उनसे भी ब्याज नहीं लिया जाता और ब्याज भरने वाले किसानों की छवि साफ सुधरी होती है. ये आत्म सम्मान की बात है। इस कार्यकम में स्वयं सहायता समूह व स्वयं देयता समूह के बारे में जानकारी दी गई । हरकोफैड द्वारा सफल कार्यक्रम आयोजित करने की सराहना की गई।

शुद्धिपत्र

पत्रिका के पूर्व प्रकाशित अंक में आदरणीय श्री जगमहेन्द्र (मुख्य लिपिक) की जन्मतिथि के संबंध में अनजाने में त्रुटिपूर्ण जानकारी प्रकाशित हो गई थी।
सही विवरण निम्नानुसार है – जन्मतिथि – 1 जून 1971
उपर्युक्त विवरण को ही सही माना जाए।

2. कैरवाली 12 जून को हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड) पंचकुला द्वारा कैरवाली में आयोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विभाग, सोसाइटी, पशुपालन विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया और सभी ने अपने–अपने विभाग संबंधित जानकारी दी और किसान भाइयों को जागरूक किया। इस कार्यक्रम में किसान भाइयों को डी.एस.आर. के बारे में जागरूक किया और सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

3.

दादरी 9 जून को हरकोफैड पंचकूला द्वारा आयोजित कारी धारणी (च. दादरी) में किसान प्रशिक्षण कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विभाग से .डॉ. राजेन्द्र जी, बागवानी विभाग से श्री जयपाल व हिसार यूनिवर्सिटी से प्रोफेसर डॉ. यादव जी मौजूद रहे। कृषि विभाग से डॉ. राजेन्द्र जी ने किसानों को बीज उपचार व फसलों को नुकसान से बचने के उपाय बताएं। इस कार्यक्रम में किसानों को अनुदान पर मिलने वाली योजनाओं व खेती पर मिलने वाले अनुदान के बारे में अवगत करवाया गया। कार्यक्रम में किसानों को जैविक खेती के बारे में जानकारी प्रदान दी गई।

प्रोफेसर डॉ. बी.डी. यादव जी ने किसानों को ग्वार की फसल के बीज उपचार व ग्वार में आने वाली बीमारियों के रोकथाम के उपाय बताएं। डॉ. वी.डा. यादव जी ने उपचार से लेकर अन्त तक किसानों को चार्ट के माध्यम से बताया गया ।

डॉ. जयपाल जी ने बागवानी विभाग की योजनाओं के बारे में किसानों को अवगत करवाया। कार्यकम में पानी की बचत करने के लिए किसानों को ड्रिप सिस्टम के बारे में बताया कि कम पानी में भी ज्यादा पैदावार तैयार कर सकते है। अन्त में डॉ. जयपाल जी ने पेड़–पौधों व सब्जियों पर मिलने वाले अनुदान बारे व किसानों को नैट हाऊस लगाने बारे बताया। हरकोफैड की तरफ से श्रीमती सन्तोष देवी ने डॉ. राजेन्द्र जी डॉ. बी.डी. यादव जी, डॉ. जयपाल जी व किसान रमेश जी का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 किसानों को भाग लिया।

महिला सदस्य जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 18 जून 2026 को हरियाणा राज्य सहकारी विकास संघ (हरकोफैड), रोहतक द्वारा गांव रिटोली में महिला सदस्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सहकारिता के माध्यम से आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षा अनुदेशक श्रीमती अर्चना देवी ने करते हुए सहकारिता की मूल परिभाषा व इसके सात सिद्धांतों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि सहकारिता ''एक सबके लिए, सब एक के लिए'' के सिद्धांत पर कार्य करती है और हरकोफैड निरंतर प्रशिक्षण, ऋण सुविधा एवं बाजार उपलब्ध कराकर समितियों को मजबूत कर रहा है। बेरोजगार महिलाएं आपस में मिलकर सहकारी समिति का पंजीकरण करवा सकती हैं और सरकारी विभागों में होने वाले निर्माण, आपूर्ति एवं सेवा कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त कर स्वरोजगार स्थापित कर सकती हैं, क्योंकि नीति के अनुसार निजी ठेकेदारों से पहले सहकारी समितियों को अवसर दिया जाता है। उन्होंने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी ''सी.एम. पैक्स'' योजना पर चर्चा करते हुए बताया कि प्रत्येक गांव में आधुनिक पैक्स स्थापित किए जा रहे हैं जिन्हें मात्र 11 महिला सदस्यों एवं प्रति सदस्य 1000 रुपये की वापसी–योग्य राशि से शुरू किया जा सकता है। इन पैक्स में बैंकिंग, खाद–बीज वितरण, कस्टम हायरिंग सेंटर, कॉमन सर्विस सेंटर जैसी 20 से अधिक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी, जिससे महिलाएं सिलाई, अचार–पापड़, डेयरी, जैसे लघु उद्योग स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। कार्यक्रम में नेहरू युवा क्लब की निदेशक श्रीमती मिथलेश जी ने सामाजिक सुरक्षा पर बल देते हुए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की जानकारी दी, जिसमें 18 से 70 वर्ष तक की आयु के लिए केवल 20 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा मिलता है। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के बारे में बताया, जिसका वार्षिक प्रीमियम जून में पंजीकरण कराने पर 436 रुपये, सितंबर में 342 रुपये, दिसंबर में 228 रुपये और मार्च तक केवल 114 रुपये है तथा 18 से 50 वर्ष की आयु में 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर मिलता है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह एवं संयुक्त देयता समूह के माध्यम से बिना गारंटी के ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई और कहा कि समूह में मिलकर कार्य करने से न केवल बैंक ऋण आसानी से मिलता है बल्कि उत्पादन, पैकेजिंग और विपणन भी सामूहिक रूप से किया जा सकता है, जिससे लागत कम होती है और लाभ बढ़ता है। श्रीमती मिथलेश ने हरकोफैड के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था लगातार गांव–गांव जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों व अवसरों के प्रति जागरूक कर रही है ताकि वे सिर उठाकर समाज में अपनी पहचान बना सकें। उन्होंने आह्वान किया कि महिलाएं केवल नौकरी मांगने वाली न बनें, बल्कि स्वरोजगार स्थापित कर दूसरों को रोजगार देने वाली बनें, क्योंकि यही सच्ची आत्मनिर्भरता है। कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ों महिलाओं ने योजनाओं में गहरी रुचि दिखाई और मौके पर ही कई समूहों ने सी.एम. पैक्स व बीमा योजनाओं के लिए पंजीकरण कराया।

नेतृत्व विकास कार्यक्रम

दिनांक 05.06.2026 को पैक्स दोगडां अहीर, महेन्द्रगढ़ में हरकोफैड के तत्वाधान में एक दिवसीय सहकारी नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर सहकारिता आंदोलन को सशक्त बनाना और युवाओं में नेतृत्व के गुणों का विकास करना था।

इस अवसर पर पैक्स के निदेशकगण, सहकारी बैंक के निदेशक, ग्राम सरपंच, ब्लॉक समिति चेयरमैन सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सहकारिता के विस्तार एवं संस्थाओं की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने पर अपने विचार व्यक्त किए।

पैक्स प्रधान श्री विक्रम सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता को नई दिशा देने के लिए अच्छे नेतृत्व के साथ–साथ पढ़े–लिखे और जागरूक सदस्यों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। सरपंच, ग्राम दोगडां अहीर ने हरकोफैड की इस सराहनीय पहल का स्वागत करते हुए इसे ग्रामीण चेतना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

पैक्स निदेशकों ने एक स्वर में यह अपील की कि हरकोफैड द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम समय–समय पर आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग सहकारिता के सिद्धांतों से जुड़ सकें और युवा वर्ग इस आंदोलन से प्रेरणा लेकर एक कुशल नेतृत्व वर्ग के रूप में तैयार हो सके।

कार्यक्रम के समापन पर सहकारी समिति शिक्षा अधिकारी श्री देवेन्द्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया, जबकि शिक्षा अनुदेशक श्री मित्रपाल ने विशेष रूप से उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने यह स्पष्ट कर दिया कि सही मार्गदर्शन और जागरूकता से सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान की जा सकती है।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास संघ लिमिटेड, पंचकुला के तत्वाधान में दिनांक 11.06.2026 को बरवाला, हिसार में एक दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, हिसार श्री जितेन्द्र कौशिक उपस्थित रहे। उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न पैक्स समितियों से आए हुए चयनित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए सहकारिता आंदोलन को आगे बढ़ाने में समिति प्रधानों एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, जवाबदेही और सदस्य भागीदारी ही किसी भी सहकारी संस्था की प्रगति की आधारशिला है।

इस अवसर परसहकार भारती से श्री अनिल जी ने भी विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण के लिए चलाई जा रही नवीन योजनाओं एवं नए कार्यों की जानकारी साझा की। उन्होंने समितियों को आधुनिक बैंकिंग, डिजिटलीकरण एवं किसान हितैषी योजनाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान सहकारी आंदोलन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विभिन्न समितियों के प्रधानों को सम्मानित भी किया गया। इससे अन्य सदस्यों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिली।

कार्यक्रम के अंत में हरकोफैड के सहायक शिक्षा अधिकारी ने सहायक रजिस्ट्रार श्री जितेन्द्र कौशिक, सहकार भारती के पदाधिकारीगण, सभी समिति प्रधानों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के नेतृत्व विकास कार्यक्रम निरंतर आयोजित होते रहने चाहिए ताकि ग्रामीण स्तर पर सहकारिता का विस्तार हो सके और एक सक्षम नेतृत्व तैयार हो सके।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड पंचकुला द्वारा नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलरम (करनाल) में किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दी हरियाणा राज्य सह विकास प्रसंघ हरकोफैड पंचकुला के तत्वाधान से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान भिवानी के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ARCS भिवानी श्री कृष्णचंद्र बेनीवाल व ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर डॉ रमन शीलवंत और स्टॉफ उपस्थित रहा।

दिनांक 30 जून 2026 को हरकोप्रैस के स्टोरकीपर श्री सुमेर चंद जी की सेवानिवृत्ति के अवसर पर चण्डीगढ़ स्थित हरकोप्रैस कार्यालय में आयोजित सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में उपस्थित हरकोफैड के प्रचार अधिकारी श्री सौरव अत्री, सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री जसवंत सिंह एव हरकोप्रैस के कर्मचारीगण।

NANO TECHNOLOGY
NANO UREA & DAP
SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirabhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit
World's First Nano Fertilizer by IFFCO
500 ML Bottle ₹225/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
500 ML Bottle ₹600/- only
IFFCO Nano UREA Plus Liquid
NANO UREA PLUS
IFFCO Nano DAP Liquid
NANO DAP
Nano Di Ammonium Phosphate
LIQUID (8:16:0)
CROP NUTRITION REDEFINED
Less Cost, More Profits
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

विजन–2047 के तहत सहकारिता विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी।

HARCOFED

Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula https://harcofed.haryana.gov.in/ harcofed@ymail.com

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264